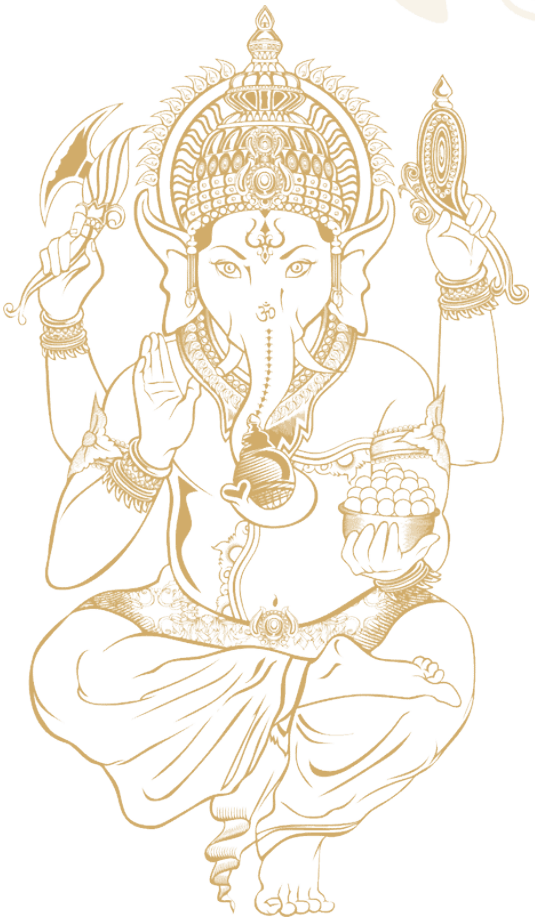

18 Mar 2026

06:13 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121636507

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**18/03/2026**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**18:13:00 घंटे**
इष्ट	29:22:44 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:51:52 घंटे
वेलान्तर	-00:08:05 घंटे
साम्पातिक काल	05:36:14 घंटे
सूर्योदय	06:27:54 घंटे
सूर्यास्त	18:31:01 घंटे
दिनमान	12:03:07 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	03:42:04 मीन
लग्न के अंश	00:32:33 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**पू०भाद्रपद - 3**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	शुभ
करण	चतुष्पाद
गण	मनुष्य
योनि	सिंह
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	दा-दामोदर
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	00:32:33	317:53:58	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	---
सूर्य			मीन	03:42:04	00:59:43	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	मित्र राशि
चंद्र			कुंभ	26:53:49	13:48:01	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
मंगल		अ	कुंभ	18:19:29	00:47:12	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	सम राशि
बुध	व		कुंभ	14:31:48	00:14:02	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	सम राशि
गुरु			मिथु	20:57:03	00:01:26	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	20:46:38	01:14:21	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	उच्च राशि
शनि		अ	मीन	09:38:34	00:07:28	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:45:10	00:00:48	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:45:10	00:00:48	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	04:00:21	00:02:06	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	07:28:10	00:02:16	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
प्लूटो			मक	10:44:11	00:01:17	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			मिथु	00:19:21	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:30

लग्न-चलित

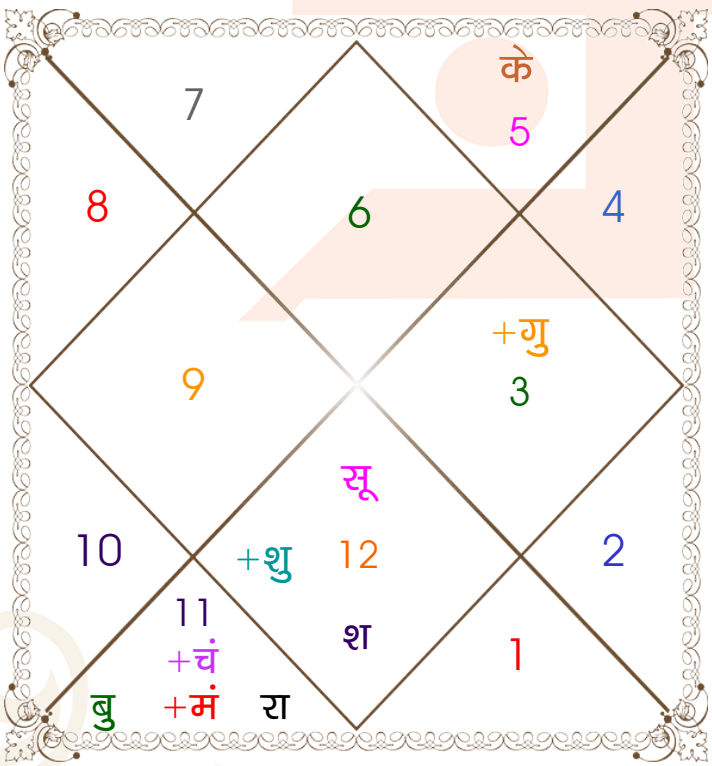

चन्द्र कुंडली

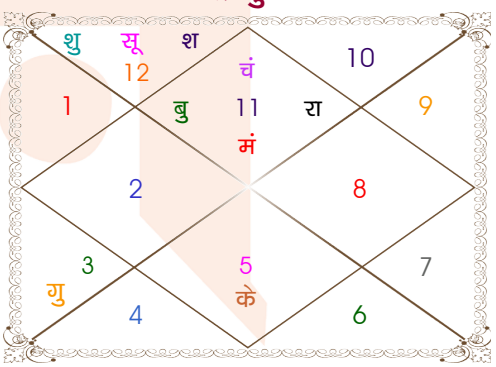

नवमांश कुंडली

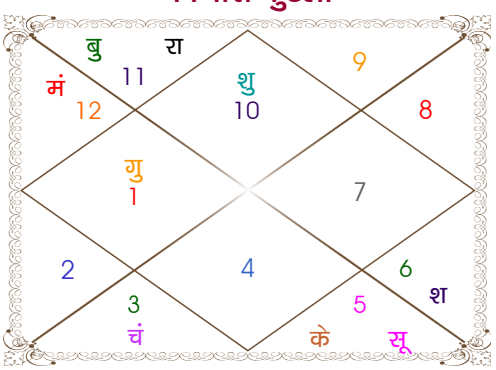

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 7 वर्ष 8 मास 20 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
18/03/2026		07/12/2033		07/12/2052		07/12/2069		07/12/2076	
07/12/2033		07/12/2052		07/12/2069		07/12/2076		07/12/2096	
	00/00/0000	शनि	10/12/2036	बुध	06/05/2055	केतु	06/05/2070	शुक्र	08/04/2080
	00/00/0000	बुध	20/08/2039	केतु	02/05/2056	शुक्र	06/07/2071	सूर्य	08/04/2081
	00/00/0000	केतु	28/09/2040	शुक्र	03/03/2059	सूर्य	10/11/2071	चंद्र	08/12/2082
	18/03/2026	शुक्र	29/11/2043	सूर्य	07/01/2060	चंद्र	11/06/2072	मंगल	07/02/2084
शुक्र	20/06/2028	सूर्य	10/11/2044	चंद्र	08/06/2061	मंगल	07/11/2072	राहु	06/02/2087
सूर्य	08/04/2029	चंद्र	11/06/2046	मंगल	05/06/2062	राहु	25/11/2073	गुरु	07/10/2089
चंद्र	08/08/2030	मंगल	21/07/2047	राहु	22/12/2064	गुरु	01/11/2074	शनि	07/12/2092
मंगल	15/07/2031	राहु	27/05/2050	गुरु	30/03/2067	शनि	11/12/2075	बुध	08/10/2095
राहु	07/12/2033	गुरु	07/12/2052	शनि	07/12/2069	बुध	07/12/2076	केतु	07/12/2096

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
07/12/2096		09/12/2102		08/12/2112		09/12/2119		08/12/2137	
09/12/2102		08/12/2112		09/12/2119		08/12/2137		00/00/0000	
सूर्य	27/03/2097	चंद्र	09/10/2103	मंगल	06/05/2113	राहु	21/08/2122	गुरु	27/01/2140
चंद्र	25/09/2097	मंगल	09/05/2104	राहु	25/05/2114	गुरु	14/01/2125	शनि	09/08/2142
मंगल	31/01/2098	राहु	08/11/2105	गुरु	01/05/2115	शनि	21/11/2127	बुध	14/11/2144
राहु	26/12/2098	गुरु	10/03/2107	शनि	08/06/2116	बुध	09/06/2130	केतु	21/10/2145
गुरु	14/10/2099	शनि	08/10/2108	बुध	06/06/2117	केतु	28/06/2131	शुक्र	19/03/2146
शनि	26/09/2100	बुध	10/03/2110	केतु	02/11/2117	शुक्र	27/06/2134		00/00/0000
बुध	03/08/2101	केतु	09/10/2110	शुक्र	02/01/2119	सूर्य	22/05/2135		00/00/0000
केतु	08/12/2101	शुक्र	08/06/2112	सूर्य	10/05/2119	चंद्र	20/11/2136		00/00/0000
शुक्र	09/12/2102	सूर्य	08/12/2112	चंद्र	09/12/2119	मंगल	08/12/2137		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 7 वर्ष 8 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश के साथ-साथ कन्या राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इन संयोजनों की आकृति आपके जीवन के प्रौढ़ावस्था तक हृष्ट पुष्ट शरीर से ज्यादा आनन्दप्रद परिवेश की स्थापना करता है।

परंतु आप यह अंगीकृत नहीं करते कि स्वास्थ्य ही सर्वोतम धन है। आप अत्यंत ही धनलोलुप हो एवं सदैव ही अत्यधिक धन प्राप्त करना चाहते हो। आप इस निर्देशन का अनुभव करते है कि आपकी छोटी से महत्वकांक्षा अंतिम क्षण तक अवश्य ही पूर्ण होगी। किंतु आपके दिमाग में एक महत्वपूर्ण धारणा यह है कि आपका भविष्य ग्रहों के प्रभाव से निश्चय ही वर्त्तमान स्थिति को उन्नति पूर्ण एवं परिवर्तनशील बनायेगा। अस्तु आप अनिवार्य रूप से निरूत्साहित नही है। आपके जीवन में अनेकों वार उत्थानपतन के अनुभव प्राप्त हुए हैं परंतु आप सभी खेल व्यवसाय की वस्तु स्थिति का मूल्यांकन कर चुके हैं। बल्कि आप अपने मस्तिष्क को इस प्रकार व्यवस्थित कर लो कि उपयुक्त समय आने पर अकस्मात् मात्र गर्त्त से ऊपर हो कर उन्नति का अनुभव कर सकेंगे और आप मुश्किल से किसी प्रकार जीवन निर्वाह करना स्वीकार करेंगे। आप अस्थिर बुद्धि के पुरूष हैं। आप एकाग्रता पूर्वक अपने संबंधित विषय वस्तुओं को परिवर्तित या स्थानांतरित करेंगे। आपको सर्वप्रथम गंभीरता पूर्वक निर्णय लेना होगा कि किस प्रकार इस विधान को अंगीकृत किया जाए। आपके लिए प्रथम दृष्टिकोण ही उत्तम निर्णय प्रमाणित होगा।

सीधे लम्बे आकृति के तिरछी भौंहों से युक्त आपके व्यक्तिगत स्वरूप का प्रदर्शन कराता हैं। बल्कि आप कार्य में अग्रसर रहते हैं, परंतु आप अड़ियल प्रवृति के अंहकार से युक्त पुरूष है। आप सदैव ही दूसरों के समक्ष असत्यवादी एवं निम्न स्तरीय प्रमाणित होते हैं। अन्ततोगत्वा आप अति कुशाग्रबुद्धि के प्राणी हैं। आप अन्य व्यक्तियों के स्तर का अपने को भी स्वीकृत करते हो। आप अपनी अंतहीन आलोचना होते देखते हो तो अधीरता पूर्वक इसे सहन नहीं कर पाते हो। जिसकी वजह से आप बहुत लोगों की ओर से अपने को विमुख कर लेते हो।

आपको अपने अधीनस्थ कार्यरत व्यक्तियों से तथा अपने कतिपय मित्रों से सतर्क रहना होगा। क्योंकि ये लोग आपके जीवन के गुप्त विषय को जानकर आपकी छवि एवं आपके व्यक्तित्व को धूमिल करने के लिए अथक परिश्रम कर सकते हैं। कुछ व्यक्ति आपके साथ वाद-विवाद करके आपके विरूद्ध समाज में आपको नग्न कर सकते हैं। अतः उत्तम तो यह है कि आप किसी भी प्रकार की संभावित घटनाओं के प्रति सतर्क रहें तथा किसी भी प्रकार के मित्र अथवा नौकरों के चयन हेतु आपको किसी के भी स्वभाव, प्रकृति की जानकारी प्राप्त कर लेनी चाहिए। आप मिथुन लग्न राशि के कार्य व्यवसाय के समान ही अपना कार्य व्यवसाय भी निश्चित कर सकते हैं। आप अपने कार्य व्यवसाय के अन्तर्गत शेयर ब्रॉकर, एकाउन्टेन्सी, वकालत, अभियंत्रिकी कार्य के साथ-साथ रसायनिक, व्यवसायिक, फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स, शैक्षणिक एवं पराविद्या से संबंधित ज्योतिष, ध्यान, योगादि कार्य कर सकते हैं। यदि आपमें कुशाग्र बुद्धिमत्ता हो तथा बाद संवाद अर्थात् पत्रकारिता संबंधित कार्य अच्छा लगे तो आप एकाग्रता पूर्वक एक अच्छे क्षेत्रीय स्तर के नेता हो सकते हैं।

सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु वृद्धावस्था के कारण आपमें मतखिन्नता (पागलपन) जैसी प्रवृति हो सकती है। क्योंकि आप में अति मद्यपान की आदत पाई जाती है। अतएव आप किसी भी प्रकार की नशा आदि से खासकर मद्यपान से परहेज करें। आप अतिरिक्त खाद्य-पदार्थों में निरामिष भोजनादि ग्रहण करें ताकि आपकी पाचन शक्ति एवं नस संबंधी शक्ति में क्षीणता न आ सके। अन्यथा आपके पेट की गड़बड़ी से दस्तरोग तथा पीठ में दर्द की आशंका उत्पन्न हो सकता है। संप्रति आपको निरंतर छोटे मोटे रोग चोट की आशंका बनती है। अस्तु आपको सावधानी पूर्वक वाहन संचालन करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल एवं भाग्यशाली प्रमाणित हैं। परंतु अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं। अतः इस का त्याग करें।

आपके लिए रंगों में सफेद हरा, पीला, एवं सुग्गापंखी रंग अनुकूल है। परंतु नीला, लाल, एवं काला रंग सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।